

मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (27-28 अक्टूबर 2026)



भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (TFRI), जबलपुर द्वारा दिनांक 27-28 अक्टूबर 2026 को मध्य प्रदेश के 11 वन वृत्तों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस “वन्य खाद्य फल संसाधनों का सतत् विदोहन, मूल्य संवर्धन एवं संरक्षण” विषय पर CAMPA Extension-AICRP-27 तथा द्वितीय दिवस “वन आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण , प्रबंधन एवं सतत् उपयोग ” विषय पर CAMPA Extension के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर दोनों विषयों से संबंधित दो महत्वपूर्ण पुस्तिकाओं —“वन्य खाद्य फल संसाधनों का सतत् विदोहन, मूल्य संवर्धन एवं संरक्षण” तथा “वन आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण, प्रबंधन एवं सतत् उपयोग” का विमोचन भी किया गया।

उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षण समन्वयक श्री मनीष कुमार विजय ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला। समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ. नीलू सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में संबंधित परियोजनाओं की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा अनुसंधान परिणामों को क्षेत्रीय वन प्रबंधन से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। निदेशक डॉ. फातिमा शिरीन ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में वन्य खाद्य फल संसाधनों एवं वन आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण , वैज्ञानिक प्रबंधन एवं सतत् उपयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को प्रभावी रूप से अपने कार्यक्षेत्र में अपनाने का आह्वान किया। उद्घाटन सत्र के अंत में नोडल अधिकारी (CAMPA Extension) एवं प्रभागाध्यक्ष डॉ. ननिता बेरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए निदेशक महोदया , विशेषज्ञों, प्रतिभागियों, आयोजन टीम, प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, अनुसंधान, विस्तार एवं लोकवार्तिका, भोपाल, तथा CAMPA, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण के व्यावहारिक पक्ष के अंतर्गत प्रतिभागियों को वन बीज प्रयोगशाला , बीज जीन बैंक , नर्सरी, विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं और संग्रहालय (Museum) में तकनीकी नवाचारों का लाइव प्रदर्शन कराया जा रहा है , जिससे उन्हें संस्थान में विकसित वैज्ञानिक तकनीकों एवं संरक्षण प्रयासों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हो सके। संस्थान की यह पहल वैज्ञानिक अनुसंधान को मैदानी वन प्रबंधन से जोड़ने तथा

वन्य खाद्य फल संसाधनों एवं वन आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और सतत् उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।





